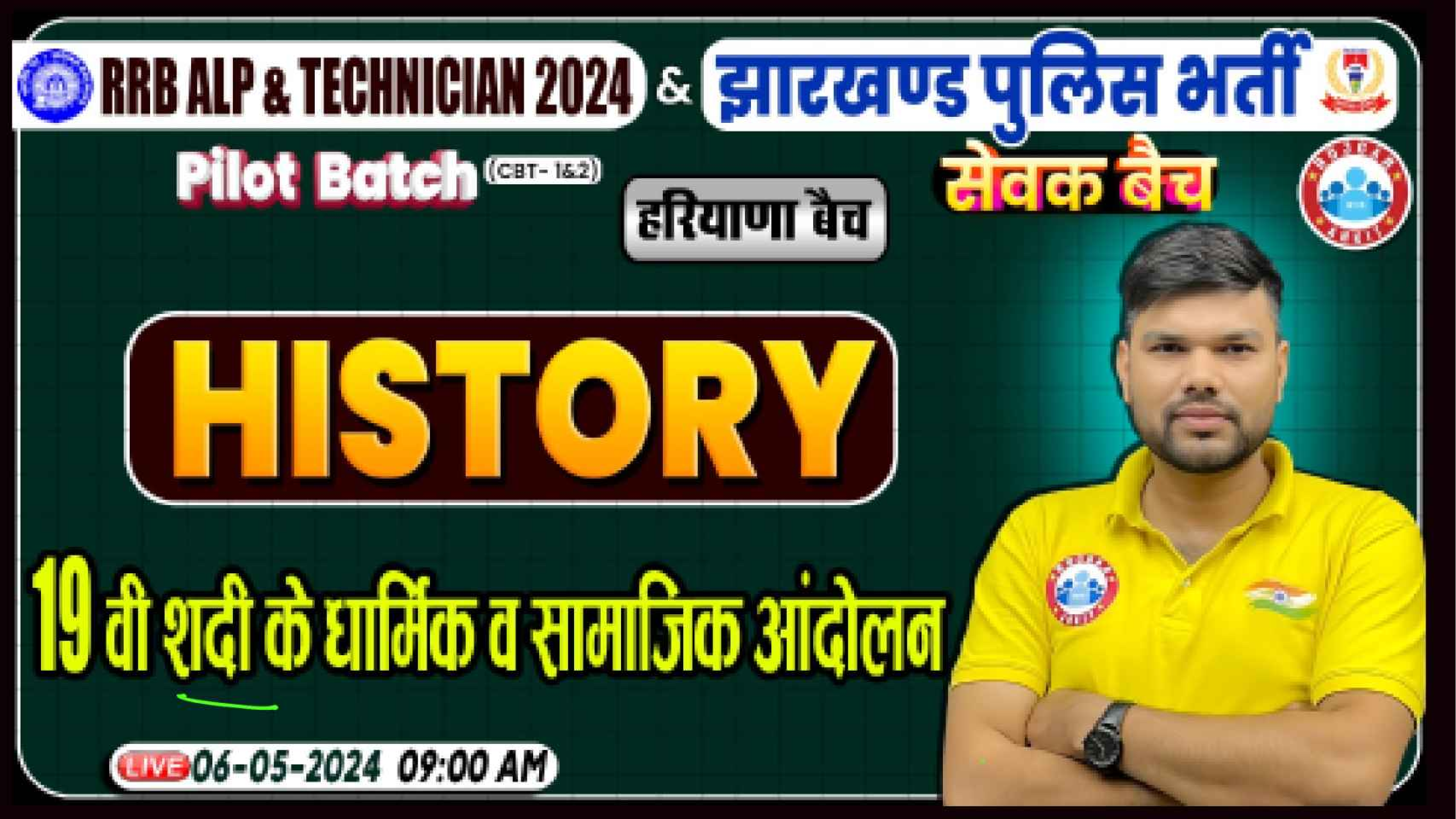

RRB ALP & TECHNICIAN 2024
&
झारखण्ड पुलिस भर्ती
Pilot Batch (CBT- 1&2)
हरियाणा बैच
सेवक बैच
HISTORY
19 वी शदी के धार्मिक व सामाजिक आंदोलन
LIVE 06-05-2024 09:00 AM

19वीं शदी के धार्मिक व सामाजिक आन्दोलन :-

⇒ **ब्रह्म समाज** :- स्थापना :- 1828 → संस्थापक :- राजा राम मोहन राय

राजा राम मोहन राय :- जन्म :- 22 May 1772 ई० बंगाल के हुगली जिले के राधानगर गाँव

⇒ आधुनिक भारत के प्रथम समाज सुधारक थे।

⇒ भारतीय राष्ट्रवाद का जनक / पैगम्बर, आधुनिक भारत का पिता, भारतीय पुनर्जागरण का प्रभात तारा

पुनर्जागरण का अग्रदूत, नवदिन का प्रातः का तारा

⇒ आधुनिक भारत का जन्मदाता राजा राम मोहन राय को माना जाता है।

⇒ भारतीय प्रेस का प्रवर्तक / पत्रकारिता का अग्रदूत राजा राम मोहन राय को माना जाता है।

⇒ 1803-1814 ई० तक ईस्ट इंडिया कंपनी में जॉन डिग्बी के अधीन कस्टम कलेक्टर के रूप में भी कार्य किया।

राजा राम मोहन राय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें एवं समाचार पत्र :-

⇒ तुहफात-उल-मुवाहिदीन → 1804 ई० → फारसी भाषा में
→ मूर्तिपूजा के विरुद्ध एक लेख था।

⇒ संवाद कौमुदी अथवा प्रज्ञाचाँद (बुद्धिचाँद (बंगाली भाषा) में 1821 ई० में प्रकाशित साप्ताहिक पत्रिका है।

⇒ संवाद कौमुदी किसी भारतीय द्वारा भारत में प्रकाशित, संपादित तथा संचालित प्रथम भारतीय समाचार पत्र था।

⇒ मिरातुल अखबार अथवा बुद्धि दर्पण :- 1822 :- भाषा :- फारसी भाषा में

⇒ बंगदूत :- 1829 :- भाषा :- हिन्दी

⇒ राजा राम मोहन राय स्थापित संस्था :

⇒ आत्मीय सभा :- गठन :- 1815 ई० :- राजा राम मोहन राय

↳ आत्मीय सभा सती विरोधि संगठन था

⇒ राजा मोहन राय ने 1817 ई० में कलकत्ता में हिन्दू कॉलेज की स्थापना की थी।

↳ सहायता : डेविड हेयर व अलेक्जेंडर डफ

⇒ 1816 ई० में वेदांत सोसाइटी तथा 1825 ई० में वेदांत कॉलेज की स्थापना की थी।

⇒ सती प्रथा पर प्रतिबंध :- 1829 :- विलियम बैंटिंग ✓

⇒ राजा राम मोहन राय ने अपने अखबारो संवाद कौमुदी के माध्यम से सती प्रथा का विरोध किया था

⇒ पुस्तक :- दि प्रीसैप्ट ऑफ जीसस, दी गाइड टू पीस एण्ड हैप्पीनेस

⇒ ब्रिटिश संसद के द्वारा भारतीय मामलो पर परामर्श किये जाने वाले प्रथम व्यक्ति थे।

- राजा राम मोहन राय की इंग्लैण्ड यात्रा :-

⇒ राजा राम मोहन राय को 1830 ई० में मुगल बादशाह अकबर द्वितीय ने राजा की उपाधि दी अपने दूत के रूप में तत्कालिन ब्रिटिश सम्राट विलियम चतुर्थ के दरबार में अपनी (मुगल बादशाह) की पेंशन बढाने की बातचीत के लिए इंग्लैण्ड भेजा था।

⇒ राजा राम मोहन राय प्रथम भारतीय थे, जो समुन्द्र के रास्ते यूरोप की धरती पर पाँव रखने वाले प्रथम भारतीय बने। जो आलफीन नामक जहाज से गए थे।

⇒ मृत्यु :- 27 sep 1833 ई० को ब्रिस्टल (इंग्लैण्ड) में

→ समाधि

⇒ ब्रिस्टल (इंग्लैंड) में राजा राम मोहन की कब्र के बराबर में किस भारतीय स्वतंत्रता सेनानी की कब्र है - मदन लाल धींगरा

⇒ राजा राम मोहन राय को युगदूत की उपाधि सुभाष चन्द्र बोस ने दी थी।